IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 3, January 2023
Impact Factor: 7.301

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 : शैक्षिक मूल्यांकन

डॉ. ऋषिकुमार द्विवेदी
प्राचार्य, स्वामी नीलकण्ठ विधि महाविद्यालय, मैहर, जिला–सतना (म.प्र.)

शोध सारांशः

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाई गई जिसे सभी के परामर्श से तैयार किया गया है। इसे लाने के साथ ही देश में शिक्षा के पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। शिक्षा के संबंध में गांधी जी का तात्पर्य बालक और मनुष्य के शरीर, मन तथा आत्मा सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास से है। इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का कहना था कि मनुष्य की अंर्तनिहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था?

मुख्य शब्दः राष्ट्रीय, शिक्षा, शैक्षिक नीति, शक्तियों, व्यवहार, परिष्कृत, विद्यालय, माध्यमिक, सार्वभौमिकरण आदि।

संदर्भ ग्रन्थ

[1]. अग्रवाल, चन्द्रमोहन, भारतीय नारी : विविध आयाम, पृ. सं. 35, श्री अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा।
[2]. बृहदारण्यक, उपनिषद, 1/4/17
[3]. अग्रवाल, प्रेमनारायण, सम्पादन, जगदीश्वर चतुर्वेदी, पृ. सं. 23–24, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिपो, नई दिल्ली।
[4]. स्त्री, भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारण, डॉ. मधु देवी, अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, शोध, समीक्षा और मूल्यांकन, पृ. सं. 74।
[5]. शर्मा, गजानन, प्राचीन साहित्य में नारी, पृ. सं. 21, रचना प्रकाशन, 45–ए, खुल्दाबाद, इलाहाबाद।
[6]. सूरसागर, पहला खण्ड, सं. नन्द दुलारे बाजपेयी, पृ. सं. 255 से 594 तक के विविध प्रसंग
[7]. अयोध्या काण्ड, दोहा, 56, चौ. 1
[8]. शर्मा, गजानन, प्राचीन भारतीय साहित्य में नारी, पृ. सं. 42–43, रचना प्रकाशन, 45–ए, खुल्दाबाद, इलाहाबाद।
[9]. वही, पृ. सं. 42–43
[10]. कस्तवार, रेखा, स्त्री चिन्तन की चुनौतियां, राजकमल प्रकाशन, प्रथम संस्करण 2006, पृ. सं. 64
[11]. वही, पृ. सं. 64
[12]. वही, पृ. सं. 64
[13]. वही, पृ. सं. 64
[14]. कौशिक, आशा, नारी सशक्तीकरण : प्रतिशत विमर्श एवं यथार्थ, पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर, 2004, पृ. 200